कृषिवानिकी के आधुनिक आयाम और वनसंवर्धन तकनीकें

कृषिवानिकी के आधुनिक आयाम और वनसंवर्धन तकनीकें

निशांत घोड़े

VITAL BIOTECH PUBLICATION

Kota, Rajasthan, India

http://www.vitalbiotech.org/bookpublication/

An International Publishers

VITAL BIOTECH get Accredited by following International organization

https://www.portico.org/publishers/vital/

101 Greenwich Street, 18th Floor

New York, NY 10006

Copyright © 2026 VITAL BIOTECH PUBLICATION

Published by Vital Biotech Publication

First Edition: 2026

All Rights Reserved

No part of this book may be reproduced in any form, by photostat, microfilm, xerography, or any other means, or incorporated into any information retrieval system, electronic or mechanical, without the written permission of the publisher.

Product Form:

Digital download, online and hard bound

Edition:

ISBN: 978-81-69356-24-4

Head, Production (Higher Education and Professional) & Publishing Director

Dr. Jitendra Mehta

Product Manager

Aman Saxena

General Manager

Jaya Mehta

Graphic Designer

Kritika Lohomi

Information contained in this work has been obtained by Vital Biotech Publication (India), from sources believed to be reliable. However, neither Vital Biotech Publication (India) nor its authors guarantee the accuracy or completeness of any information published herein, and neither Vital Biotech Publication (India) nor its authors shall be responsible for any errors, omissions, or damages arising out of use of this information. This work is published with the understanding that Vital Biotech Publication (India) and its authors are supplying information but are not attempting to render engineering or other professional services. If such services are required, the assistance of an appropriate professional should be required.

Office Address:

VITAL BIOTECH PUBLICATION

772, Basant Vihar, Kota,
Rajasthan-324009 India
Visit us at: http://www.vitalbiotech.org
Contact No. +91-9784677044
Printed at: Vital Biotech Publication, Kota

प्रस्तावना

कृषिवानिकी के आधुनिक आयाम और वनसंवर्धन तकनीकें विषय पर प्रस्तुत यह पुस्तक कृषिवानिकी, वृक्ष संसाधन प्रबंधन तथा आधुनिक वनसंवर्धन तकनीकों के समन्वित एवं व्यावहारिक स्वरूप को समझने का प्रयास है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, भूमि क्षरण, जल संकट, जैव–विविधता में कमी तथा बढ़ती कृषि एवं वन–आधारित आवश्यकताओं के बीच कृषिवानिकी एक महत्वपूर्ण एवं टिकाऊ समाधान के रूप में उभर रही है। कृषि फसलों, वृक्षों तथा पशुधन का समन्वित प्रबंधन किसानों की आय बढ़ाने के साथ–साथ मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण, जैव–विविधता और कार्बन संचयन को भी बढ़ावा देता है।

पुस्तक में कृषिवानिकी की अवधारणा, विभिन्न प्रणालियाँ, वृक्ष–फसल एवं वृक्ष–पशुधन आधारित मॉडल, मृदा एवं जल संरक्षण, कार्बन प्रबंधन तथा जलवायु–स्मार्ट कृषिवानिकी जैसे आधुनिक आयामों पर प्रकाश डाला गया है। साथ ही, वनसंवर्धन के अंतर्गत पौधशाला प्रबंधन, बीज प्रबंधन, प्राकृतिक एवं कृत्रिम पुनर्जनन, वानिकी रोपण, पौध संरक्षण तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग को सरल एवं वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

यह पुस्तक विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, वन एवं कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों तथा कृषकों के लिए उपयोगी संदर्भ सामग्री के रूप में तैयार की गई है। आशा है कि यह पुस्तक टिकाऊ भूमि उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आजीविका के सुदृढ़ीकरण की दिशा में उपयोगी योगदान देगी।

निशांत घोडे **दिनांक - 15 Aug., 2026**

विषय–सूची

S. NO.		PAGE NO.
1.	कृषिवानिकी की अवधारणा महत्व एवं विकास	1-12
2.	कृषिवानिकी प्रणालियों के प्रकार एवं संरचना	13-22
3.	मृदा संरक्षण एवं उर्वरता सुधार में कृषिवानिकी की भूमिका	23-34
4.	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन एवं शमन में कृषिवानिकी	35-48
5.	आधुनिक वनसंवर्धन तकनीकों का परिचय	49-60
6.	वृक्ष प्रजातियों का चयन एवं प्रबंधन रणनीतियाँ	61-72
7.	कृषिवानिकी में उन्नत रोपण एवं नर्सरी प्रबंधन तकनीकें	73-82
8.	जैव विविधता संरक्षण एवं पारिस्थितिकी संतुलन में कृषिवानिकी की भूमिका	83-92
9.	कृषिवानिकी आधारित आजीविका एवं आर्थिक संभावनाएँ	93-104
10.	डिजिटल एवं सटीक (Precision) तकनीकों का उपयोग कृषिवानिकी में	105-114

11.	कृषिवानिकी में जैव प्रौद्योगिकी एवं उन्नत पौध प्रवर्धन	**115-124**
12.	कृषि–वानिकी में जल एवं पोषक तत्व प्रबंधन	**125-136**
13.	वन पुनर्स्थापन, पुनर्वनीकरण एवं क्षतिग्रस्त भूमि प्रबंधन	**137-148**
14.	कृषिवानिकी उत्पादों का मूल्य संवर्धन एवं उद्यमिता	**149-162**
15.	कार्बन क्रेडिट, हरित वित्त एवं कृषिवानिकी का भविष्य	**163-174**